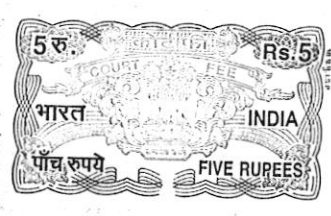


84



माननीय न्यायालय राजस्व भेडल ज्वालियर बेंच उज्जैन (म.प्र.)
प. सं. 6965/16 विविध खीजन

PBR | पुनर्स्थापन | खीजन | श्रु. सं. | 2017/2826

नेत्रपाल सिंह आवेदक
विरह
जगदीर सिंह आदि अनावेदक गण

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 35(3) श्रु. राजस्व संहिता

माननीय न्योदय,

आर्थी/ आवेदक की ओर से उर्ध्व पत्र विम विखित
प्राप्त की

①


यह कि, आवेदक ने एक निगरानी अनावेदक के
विरुद्ध प्राप्त की है और उक्त निगरानी आज दिनांक
को ग्राह्यता के निमित्त थी। आवेदक कृषि भाषक अन्तर्गत न्यायालय
में आवेदन थे उनकी आवेदन लगने पर उपस्थित नहीं होने पर
उकरण अनुपालिनी के आधार पर निरस्त कर दिया है।
पेलेडिंग के मुद्दे पर माननीय न्यायालय में उपस्थित न होने
से पत्र चला की उकरण अनुपालिनी में निरस्त कर दिया
उक्त अनुपालिनी सहायक पर आधारित होकर उक्त
किये जाने योग्य है और अनुपालिनी निरस्त कर उक्त
पुनः रिकार्ड पर विषय जाना न्यायालय के द्वारा उक्त
अन्तर्गत खीजन से निवेदन है कि आवेदन पर
बीकार कर उकरण की पुनः रिकार्ड पर लिख जाने
कारण आवेदन उदात्त करने की हया।
दि. 17-08-17 आर्थी

द्वारा कृषिभाषक नेत्रपाल सिंह - अपीलार्थ
Joint
P.S. Rawat
Adl.

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक PBR/पुर्नस्थापन/उज्जैन/भू.रा./2017/2826

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
13-3-2018	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । इस न्यायालय की आदेशिका दिनांक 17-8-2017 का अवलोकन किया गया, जिसके द्वारा इस न्यायालय ने गुण-दोष पर आदेश पारित कर निगरानी अग्राह्य की गई है, जिसमें कोई त्रुटि नहीं है । अतः यह प्रकरण प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है ।</p>	<p> अध्यक्ष</p>